रणजीत टाइम्स

इंदौर

शुक्रवार, 20 मार्च, 2026

वर्ष 02 | अंक 73 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

देश के कई राज्यों समेत महाराष्ट्र में मनी गुड़ी पड़वा

चैत्र नवरात्रि उत्सव शुरु- देवी मंदिरों में उमड़ी भीड़

नईदिल्ली/मुंबई (एजेंसी)। देशभर में नवरात्रि का उत्सव मनाया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के कटरा में बारिश के बीच भक्त दर्शन करने पहुंचे। वहीं यूपी में भी बड़े मंदिरों में भीड़ नजर आ रही थी। उधर देश के कई राज्य समेत महाराष्ट्र में भी गुड़ी पड़वा उत्सव धूमधाम से मनाया गया। नागपुर में सीएम देवेंद्र फडणवीस भी हिंदू नव वर्ष के कार्यक्रम में शामिल हुए।

बंगाल में चुनाव से पहले टीएमसी नेता की हत्या; सड़क किनारे मिला शव, इलाके में तनाव

कोलकाता (एजेंसी)। चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में एक स्थानीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता की हत्या से राजनीतिक माहौल गरमा गया है। पुलिस के अनुसार उत्तर 24 परगना जिले में टीएमसी नेता मसिउर गाजी (41) की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। उनका खून से लथपथ शव गुरुवार को हाड़ोआ थाना क्षेत्र के नब्बई पाट घेरी इलाके में सड़क किनारे मिला। पुलिस का कहना है कि प्राथमिक जांच में लग रहा है कि हत्या कहीं और की गई और शव को यहां लाकर फेंका गया। गाजी देगंगा क्षेत्र के चंपातला ग्राम पंचायत के बूथ नंबर 178 के अध्यक्ष थे। वह पेशे से गारमेंट कारोबारी थे और पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता माने जाते थे। इस घटना के बाद इलाके में राजनीतिक तनाव बढ़ गया है, जहां विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 29 अप्रैल को मतदान होना है। पुलिस ने बताया कि मामले में आंतरिक रंजिश, राजनीतिक कारण और कारोबारी विवाद समेत सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

शेयर बाजार में मचा कोहराम

- 11.50 लाख करोड़ स्वाहा, सेंसेक्स 2500 अंक गिरकर बंद हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजार में लगातार तीन दिन से चली आ रही तेजी का दौर गुरुवार को थम गया। कच्चे तेल की कीमत में भारी तेजी के कारण बीएसई सेंसेक्स 2496.89 अंक यानी 3.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,207.24 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 इंडेक्स भी 775.65 अंक फिसलकर 23,002.15 अंक पर आ गया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 2,700 अंक से अधिक फिसल गया था जबकि निफ्टी 23,000 से नीचे चला गया था। इस गिरावट से निवेशकों को 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ और बीएसई लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप गिरकर 427 लाख करोड़ रुपये रह गया।

सृष्टि के आरंभ की अमृत बेला का पर्व है नव संवत्सर

- विक्रमादित्य ने सुशासन के प्रतिमान स्थापित किए, 2 हजार साल बाद भी उनके आदर्श प्रासंगिकः मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री ने की ब्रह्म ध्वज की स्थापना, नवसंवत्सर पर्व पर सभी के लिए की मंगलकामना
- रवींद्र भवन में हुआ कोटि सूर्य उपासना कार्यक्रम
- सम्राट विक्रमादित्य नाटक का हुआ मंचन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर से गुड़ी पड़वा (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) पर इस्कॉन मंदिर, में राज्य स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान के तृतीय चरण का शुभारंभ किया।

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज गुड़ी पड़वा है। संपूर्ण सृष्टि में गुड़ जैसी मिठास फैल गई है। ऐसा इसलिए, क्योंकि हमारी भारतीय संस्कृति में आज से नव संवत्सर एवं नववर्ष का प्रारंभ हो गया है। उन्होंने कहा कि नव संवत्सर सृष्टि के आरंभ दिवस की अमृत बेला को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने वाला पर्व है। आज से एक नए संवत् और भारतीय नववर्ष का प्रारंभ हो गया है। हमारे यहां संवत् सृष्टि के साथ, प्रकृति के सानिध्य में और शासक के पुरुषार्थ से प्रारंभ होता है। सम्राट विक्रमादित्य ने शकों को परास्त किया। तत्कालीन समाज के अराजक तत्वों और आतताईयों का दमन किया। उन्होंने अपनी संपूर्ण प्रजा को कर्जमुक्त बनाया। सच्चे अर्थों में सामाजिक सद्भाव की नींव रखी। वे लोकतंत्र के महानायक थे। उनके पुरुषार्थ से ही प्रारंभ किया गया विक्रम संवत् आज 2083 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने सम्राट विक्रमादित्य के ओजस्वी शासन उनके शौर्य, साहस, पराक्रम एवं न्याय के प्रतिमानों को आत्मसात करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का प्रयास किया। हम समाज के हर वर्ग के चहुंमुखी विकास के लिए प्रयासरत हैं। हमने वीर विक्रमादित्य शोधपीठ सहित वैदिक घड़ी की भी स्थापना की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को रवीन्द्र भवन में आयोजित विक्रमोत्सव-2026 के अंतर्गत कोटि सूर्य उपासना कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी नागरिकों को सृष्टि के आरंभ दिवस, गुड़ी पड़वा, चेटी चंड, नववर्ष विक्रम संवत् 2083 के आरंभ, घट स्थापना, नवरात्रि आरंभ, ज्योर्तिविज्ञान दिवस, नवरेह सहित आज देशभर में मनाये जा रहे सभी पर्वों की बधाई और मंगलकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ब्रम्ह ध्वज की स्थापना कर कहा कि यह ध्वज हमें सदैव एकजुट रहकर देश-प्रदेश की सेवा करने की प्रेरणा देता है।

पं. कुंजीलाल दुबे का विधानसभा अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल भुलाया नहीं जा सकता : सीएम डॉ. यादव

- मुख्यमंत्री ने तीन बार विधानसभा अध्यक्ष रहे स्व. पं. दुबे की 130वीं जन्म जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्व. पं. कुंजीलाल दुबे तीन बार मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष रहे। विधानसभा अध्यक्ष के रूप में उन्होंने हिन्दी भाषा को प्रतिष्ठित स्थान दिलाने में बड़ा योगदान दिया। स्व. पं. दुबे के विधानसभा अध्यक्षीय कार्यकाल की सुदीर्घ सेवाओं और संसदीय परम्पराओं को और भी समृद्ध बनाने में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को स्व. पं. कुंजीलाल दुबे की 130वीं जन्म जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश विधानसभा भवन परिसर में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. पं. दुबे की समाजोन्मुखी सेवाओं के लिए वर्ष 1964 में इन्हें पद्मभूषण की उपाधि विभूषित किया गया। विद्या और ज्ञान के क्षेत्र में की गई सेवाओं और उपलब्धियों के लिए स्व. पं. दुबे को 1965 में एलएलडी की उपाधि दी गई, वहीं 1967 में विक्रम विश्वविद्यालय ने इन्हें डी-लिट की उपाधि प्रदान की थी। वे सदैव हमारी स्मृतियों में बने रहेंगे।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर नए नियम

बकाया टोल 72 घंटे में नहीं भरा तो देना होगा दोगुना टैक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क दरों का निर्धारण और संग्रह (दूसरा संशोधन) नियम, 2026 अधिसूचित किया है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल नियमों का पालन सुनिश्चित करना है। टोल का भुगतान बकाया रहने पर अब दोगुना पैसा देना होगा।

यह संशोधन 17 मार्च से प्रभावी है और उपयोगकर्ता शुल्क (यूजर फीस) के भुगतान में चूक के मामलों में एक व्यवस्थित व तकनीक-आधारित तंत्र प्रदान करता है।

किन लोगों को करना होगा भुगतान?

पीआइबी के अनुसार, इस संशोधन के माध्यम से नियमों में बदलाव करते हुए अनपेड यूजर फीस की परिभाषा भी शामिल की गई है। इससे तात्पर्य उस टोल से है जो किसी ऐसे वाहन पर लागू होता है, जिसके गुजरने की जानकारी इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (ईटीसी) बुनियादी ढांचे द्वारा दर्ज कर ली गई है, लेकिन जिसके लिए लागू उपयोगकर्ता शुल्क अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है।

श्रीमती आराधना कासलीवाल के सहयोग से धर्मवीर सेवा संस्थान की सराहनीय पहल

राजेश धाकड़

इंदौर। भीषण गर्मी को देखते हुए सामाजिक संस्था धर्मवीर सेवा संस्थान, इंदौर द्वारा बेजुबान जानवरों की सेवा के लिए एक सराहनीय पहल की गई है। श्रीमती आराधना कासलीवाल के सहयोग से संस्था के कार्यकर्ताओं ने शहर के विभिन्न स्थानों पर पशु-पक्षियों एवं सड़कों पर रहने वाले जानवरों के लिए पानी के पात्र रखे।

संस्था द्वारा संचालित इस सेवा अभियान के तहत इंदौर के अलग-अलग क्षेत्रों में पानी के पात्र स्थापित किए गए हैं। साथ ही इनमें नियमित रूप से पानी भरने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि भीषण गर्मी में बेजुबान जानवरों को राहत मिल सके। इस अवसर पर संस्था के

पदाधिकारियों ने बताया कि गर्मी के मौसम में पशु-पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना एक मानवीय कर्तव्य है। ऐसे सेवा कार्य समाज में संवेदनशीलता एवं सेवा भावना को बढ़ावा देते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से घुमंतू कार्य के जिला संयोजक एडवोकेट दीपक चौहान, संस्था अध्यक्ष सौरभ पांडे, संस्था सचिव चेतन जी भोसले, पंकज जी पाटिल, संयोजक रामेश्वर चौरसिया एवं भारत राठौड़ सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर इस सेवा कार्य को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इंदौर में संगठित वेतन घोटाला

कुछ झोन में भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी, जिम्मेदारों पर कार्रवाई कब?

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर कुछ झोन से सामने आया डबल सैलरी घोटाला न केवल प्रशासनिक लापरवाही, बल्कि संगठित भ्रष्टाचार की गंभीर तस्वीर पेश करता है। उत्तर शहर संभाग की जानकारी के अनुसार करीब कुछ कर्मचारी वर्षों से नियमों को ठेंगा दिखाते हुए डबल सैलरी ले रहे हैं, जिससे विद्युत कंपनी को लाखों रुपए का सीधा नुकसान हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक सहायक यंत्री (A.E) के ड्राइवर पर डबल सैलरी लेने का आरोप है, जबकि ऑपरेटर भी इस घोटाले में शामिल बताए जा रहे हैं। कुछ कर्मचारी बिना कार्य किए घर बैठे वेतन उठा रहे हैं, जो सिस्टम की नाकामी को खुलकर उजागर करता है। इतना ही नहीं, सहायक यंत्री के करीबी कुछ पर भी बिना ड्यूटी किए सैलरी लेने के गंभीर आरोप हैं।

रिक्शा अटैच होने के बावजूद वेतन ले रहे हैं। सबसे चौंकाने वाला और गंभीर मामला एक जोन का है, जो वर्षों पहले रिटायर्ड हो चुके हैं, लेकिन फिर भी आउटसोर्सिंग के नाम पर अपने और अपने बेटे के नाम से सैलरी निकाल रहे हैं। यह सीधा-सीधा सरकारी नियमों और नैतिकता का उल्लंघन है। स्थान

डिजिटल सुरक्षा के साथ अब ई-कॉमर्स क्षेत्र में भी विगिलो का एक नए युग की शुरुआत

विगीलो .इन " प्लेटफॉर्म हुआ लॉन्च

टेक्नोलॉजीज जयपुर

राजस्थान से एक नई शुरुआत

जयपुर राजस्थान डिजिटल युग में तेजी से उभर रही विगीलो टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड ने सुरक्षा और आईटी सेवाओं के साथ अब ई-कॉमर्स क्षेत्र में भी अपना कदम बढ़ा दिया है। कंपनी ने अपने नए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म "विगीलो .इन " की शुरुआत की है, जिससे ग्राहकों को अब एक ही जगह पर टेक्नोलॉजी से जुड़े उत्पाद और सेवाएं आसानी से उपलब्ध होंगी। अब तक सीसीटीवी सर्विलांस, नेटवर्किंग सॉल्यूशंस, स्मार्ट ऑफिस सेटअप और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बना चुकी विगिलो टेक्नोलॉजीज ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से ग्राहकों को और अधिक सुविधा प्रदान करने का लक्ष्य रखा है।

कंपनी के प्रवक्ता ने बताया, "हमारा उद्देश्य है कि ग्राहक न केवल हमारी सेवाओं का लाभ लें, बल्कि उन्हें ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से सभी जरूरी टेक्नोलॉजी प्रोडक्ट्स भी आसानी से मिल सकें। विगीलो .इन के जरिए हम एक डिजिटल मार्केटप्लेस तैयार कर रहे हैं, जहां गुणवत्ता और भरोसे को प्राथमिकता दी जाएगी।" इस प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों को सीसीटीवी कैमरा, सिक्योरिटी डिवाइसेस, नेटवर्किंग इक्विपमेंट और अन्य टेक्नोलॉजी प्रोडक्ट्स उचित कीमत पर उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही, आसान ऑर्डरिंग, तेज डिलीवरी और विश्वसनीय सर्विस सपोर्ट भी सुनिश्चित किया जाएगा। विगिलो टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड लगातार नवाचार और ग्राहक संतुष्टि को ध्यान में रखते हुए अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार कर रही है। कंपनी का यह कदम क्षेत्र में डिजिटल और टेक्नोलॉजी आधारित व्यापार को नई दिशा देने वाला साबित हो सकता।

रणजीत टाइम्स

गुढी पाडवा पूर्व मराठी समाज की मुख्यमंत्री से पारंपरिक 'गुढी भेट'

(उमेश थोरात प्रतिनिधि)

गुढी पाडवा के पावन अवसर के एक दिन पूर्व प्रदेशभर से आए मराठी समाज के प्रतिनिधियों ने राजधानी स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर पारंपरिक 'गुढी भेट' अर्पित कर उन्हें गुढी पाडवा की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। बुधवार सुबह 10:30 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को विधिवत गुढी भेंट की गई। कार्यक्रम के दौरान जबलपुर के वारी ग्रुप के लगभग 30 सदस्यों ने ढोल-ताशा की आकर्षक प्रस्तुति दी, वहीं भोपाल के आई साहेब ग्रुप एवं दत्त मंदिर की 24 सदस्यीय महिला टीम ने पारंपरिक लेझीम प्रस्तुत कर सांस्कृतिक रंग बिखेरा।

प्रतिनिधियों ने मराठी संस्कृति और परंपराओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज की एकजुटता का संदेश दिया। प्रदेश की सौ वर्ष पुरानी मराठी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री द्वारा प्रमाणपत्र भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

मा.मुख्यमंत्रीजी ने सभी को गुढी पाडवा की शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में भोपाल सहित इंदौर, सिवनी, जबलपुर, छिंदवाड़ा, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, दमोह, विदिशा, बैतूल एवं सीहोर आदि जिलों से आए समाज के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का आयोजन मराठी साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश सांस्कृतिक परिषद, भोपाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन माननीय सदानंद गोडबोले ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन पार्षद प्रशांत बडवे ने किया।

संस्था माँ क्षिप्रा ने फिर रचाई धूम, भव्य भगवा बाइक रैली में उमड़ा जनसैलाब

हिंदू नववर्ष (गुड़ी पड़वा) के पावन अवसर पर ग्राम बरलाई जागीर में संस्था माँ क्षिप्रा के तत्वावधान में भव्य भगवा बाइक रैली का सफल आयोजन किया गया। इस रैली में सैकड़ों वाहनों की भव्य भागीदारी रही, जिससे पूरा क्षेत्र भगवामय हो गया। रैली श्री हनुमान मंदिर, ग्राम बरलाई जागीर से *जय श्री राम* के गगनभेदी उद्घोष के साथ प्रारंभ हुई। रैली के दौरान जगह-जगह स्वागत मंच लगाए गए, जहां पुष्प वर्षा एवं स्वागत कर रैली का अभिनंदन किया गया।

रैली में युवाओं, बुजुर्गों एवं समस्त हिंदू समाज का उत्साह देखने लायक था। पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण बना रहा और भगवा ध्वजों से क्षेत्र का माहौल धर्ममय हो गया। इस भव्य आयोजन की तैयारी हेतु संस्था माँ क्षिप्रा की टीम द्वारा पिछले एक माह से निरंतर मेहनत की जा रही थी। टीम के सदस्यों ने दर्जनों गांवों में जाकर आमंत्रण पत्र (कार्ड) वितरित किए और लोगों को रैली में शामिल होने के लिए प्रेरित किया, जिसका परिणाम इस विशाल जनसहभागिता के रूप में देखने को मिला।

इस आयोजन को सफल एवं सुव्यवस्थित बनाने में *पुलिस थाना शिप्रा, थाना सांवेर एवं औद्योगिक क्षेत्र देवास थाना* का विशेष सहयोग रहा। तीनों ही थानों द्वारा यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करते हुए रैली को सुरक्षित एवं व्यवस्थित दिशा प्रदान की गई। संस्था माँ क्षिप्रा के सदस्यों ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंत में आयोजकों ने सभी सहभागी एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

बड़ौदिया की बेटी एडवोकेट मोनिका शर्मा को दुबई में अंतरराष्ट्रीय हिंदी गौरव सम्मान

दिलीप पाटीदार

राजगढ़-बड़ौदिया। वैसे तो प्रतिभाओं को ना दबाया जा सकता है और ना ही छुपाया जा सकता हैं क्योंकि प्रतिभाएं स्वयं ही अपने आपको बाहर निकालने में सक्षम होती है। इस बात को एक बार फिर साबित किया है छोटे से गांव बड़ौदिया की एक बेटी ने। अपने माता-पिता तथा गांव का नाम रोशन किया दरअसल, हिंदी भाषा के प्रचार -प्रसार तथा साहित्यिक गतिविधियों में सक्रिय युवा अधिवक्ता बड़ौदिया निवासी मोनिका शर्मा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ''हिंदी गौरव सम्मान 2026'' से दुबई में सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक संस्था "अंतरराष्ट्रीय साहित्य अर्पण, दुबई" द्वारा हिंदी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले रचनाकारों को प्रदान किया जाता है। गौरतलब है कि मोनिका शर्मा विधि के क्षेत्र में सक्रिय रहने के साथ-साथ हिंदी साहित्य और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में भी निरंतर कार्य कर रही हैं। उनकी पुस्तक "21वीं सदी की नारी" प्रकाशित हो चुकी है, जिसमें समकालीन समाज में महिलाओं की भूमिका और सशक्तिकरण से जुड़े विषयों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है। बालिका के परिजन रमणलाल शर्मा बताते हैं कि बालिका के पिता ग्राम बड़ौदिया में ही रहकर छोटी सी आटा-चक्की की दुकान संचालित करते हैं। बालिका की प्रतिभा को पहचान कर उसे पढ़ाई हेतु बाहर भेजा गया था।

30 से अधिक सम्मान प्राप्त कर चुकी है मोनिका

मोनिका के भाई विमल शर्मा ने बताया कि मोनिका अब तक साहित्य और हिंदी भाषा के प्रति उनके योगदान के लिए लगभग 30 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त कर चुकी हैं। मोनिका कहती हैं कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम ही नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति और पहचान की अभिव्यक्ति है। वे आगे भी हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार तथा समाज में कानूनी जागरूकता के लिए निरंतर कार्य करती रहेंगी। एडवोकेट मोनिका शर्मा की यह उपलब्धि विशेष रूप से महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि यदि दृढ़ संकल्प और मेहनत हो, तो किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल की जा सकती है। उनकी सफलता से न केवल हिंदी भाषा को मजबूती मिली है, बल्कि समाज में महिलाओं की भूमिका और योगदान को भी नई पहचान मिली है। यह सम्मान इस बात का प्रतीक है कि छोटे से गांव से निकलकर भी प्रतिभाएं अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना सकती हैं।

न्यू जर्सी, अमेरिका ने सहज योग को सम्मानित किया-अभिभूत हैं सहज योगी

21 मार्च 'श्री माताजी निर्मला देवी दिवस' के रुप में जाना जायेगा

सहज योग संस्थापिका और हमारी परम पावनी श्री माताजी श्री निर्मला देवी को तो किसी सम्मान की आवश्यकता नहीं है क्योंकि उनके जीवन का लक्ष्य तो अपने बच्चों को परम चैतन्य से अभिभूत कर उन्हें सम्मानित करना था। परंतु, सहज योग जिस प्रकार विकसित होकर विश्व को ईश्वरीय साम्राज्य में प्रवेश करवा रहा है, तब सहज योगी बच्चे अपनी माँ को सम्मानित किये बिना रह नहीं पाते हैं क्योंकि माँ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और स्वयं की आत्मशुद्धि के लिए उन्हें ऐसा करने की आवश्यकता महसूस होती है और ऐसा करते हुए वे स्वयं भी गौरवान्वित होते हैं।

न्यू जर्सी, अमेरिका में जब परमपूज्य श्री माताजी सम्मानित हुई हैं, तब सहज योग के रुप में भारतीय संस्कृति भी सम्मानित हुई और परम पावनी माँ के सभी बच्चे खुशी से झूम उठे। 21 मार्च सहज योग के लिए मात्र एक महत्वपूर्ण दिन नहीं बल्कि वरदान है क्योंकि इसी दिन परमपूज्य श्री माताजी ने धरती पर अवतार लिया। छिंदवाड़ा की पुण्य भूमि पर परमपूज्य श्री माताजी 21 मार्च, 1923 को अवतरित हुई। तब कौन जानता था कि इस घोर कलियुग युग में अब सतयुग का आरंभ

होने वाला है।

अमेरिका में लाखों सहज योगी हैं। इससे पहले भी कई बार अमेरिका के अलग अलग राज्यों ने

Office of the Mayor

Proclamation

SHRI MATAJI NIRMALA DEVI DAY

WHEREAS, mental health and inner peace are essential foundations for a thriving, resilient, and compassionate community; and

WHEREAS, Shri Mataji Nirmala Devi was born in Chhindwara, India, in 1923, and from an early age demonstrated extraordinary wisdom, compassion, and spiritual depth that inspired all who encountered Her; and

WHEREAS, during India's struggle for independence, she worked in close association with Mahatma Gandhi, dedicating Her life to the realization of his vision of universal peace, human dignity, and unity among nations; and

WHEREAS, guided by her profound commitment to world peace, the advancement of women, and the attainment of Self-Realization, Shri Mataji founded 'Sahaja Yoga', a worldwide meditation movement that promotes inner transformation, holistic well-being, and a heightened awareness of one's connection to a higher universal power; and

WHEREAS, Shri Mataji Nirmala Devi has been twice nominated for the Nobel Peace Prize and has received numerous international honors in recognition of her humanitarian and spiritual contributions; and

WHEREAS, the United Nations recognizes the benefits of meditation to reduce stress, improve health, foster harmony, and bring inner peace, and

WHEREAS, friends, family, colleagues, and practitioners across the State of New Jersey, throughout the United States, and around the world gather on this 21st day of March, 2026, to commemorate her remarkable legacy and celebrate her 103rd birth anniversary; and

WHEREAS, the State of New Jersey acknowledges the importance of promoting wellness practices that enhance the quality of life for its residents and citizens, in the State of New Jersey, and encourage all citizens irrespective of their beliefs, to observe this day by engaging in meditation and wellness practices that promote peace, Self-Realization and bring harmony within our communities.

NOW, THEREFORE, I, MICHAEL PUTRINO, Mayor of the Borough of New Milford, New Jersey, do hereby proclaim March 21, 2026, as

SHRI MATAJI NIRMALA DEVI DAY

in New Milford, and invite all residents irrespective of their beliefs, to observe this day by engaging in meditation and wellness practices that promote peace, Self-Realization and bring harmony within our community.

IN WITNESS WHEREOF, I have hereunto set my hand this 9th day of March 2026.

Mayor Michael Putrino

श्री माताजी को व्यक्तिगत रुप से सम्मानित किया। लेकिन अमेरिका में राष्ट्रीय स्तर पर यह पहला सम्मान था। 9 मार्च, 2026 को अमेरिका के न्यू मीलफोर्ड, न्यू जर्सी नगर के महापौर माइकल पुटरिनो ने उद्घोषणा के साथ यह घोषणा पत्र जारी किया कि एतद् द्वारा 21 मार्च को 'श्री माताजी निर्मला देवी दिवस' के रुप में जाना जायेगा। इस घोषणा पत्र में परमपूज्य श्री माताजी के जन्म, महात्मा गाँधी के साथ स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान, विश्व शांति व मानव के उत्थान के लिए 'सहज योग' की स्थापना और सहज योग प्रचार प्रसार में उनके अथक प्रयास का जिक्र है। दो बार श्री माताजी को नोबल पुरस्कार के लिए नामित किये जाने का भी उल्लेख है। सहज योग से मिलने वाले तनाव मुक्ति, आरोग्य और आंतरिक शांति का भी विवरण है। 9 मार्च, 2026 को इस घोषणा के दौरान बड़ी संख्या में सहज योगी परिवार के सदस्य, मित्रगण व सहयोगी उपस्थित थे और उन्हें इस सुंदर पल के साक्षी बनने का सौभाग्य मिला। सभी सहज योगी श्री माताजी का हृदय से धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने हमें इस अनमोल पल से सम्मानित किया। विश्व भी अभिभूत है, भारत भी गौरवान्वित है और सहज योगी का दिल गदगद है। कोटिशः नमन माँ। सहजयोग ध्यान का आनंद और अनगिनत लाभ लेने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

जिला कोर्ट में अधिवक्ताओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

इंदौर। जिला न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इंदौर अभिभाषक संघ द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर एलएनसीटी सेवाकुंज हॉस्पिटल एवं मॉडर्न डेंटल कॉलेज के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा प्रातः 10:30 बजे से प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्पेशल जज श्री मिश्रा एवं सीजेएम शशांक सिंह की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर मृणाल महंतो सहित अन्य न्यायाधीशगण भी मौजूद रहे। वहीं अस्पताल प्रबंधन से डॉ. शक्तिवर्धन एवं विनोद मुद्गल तथा डेंटल कॉलेज से डॉ. शिशिर दुबे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इंदौर अभिभाषक संघ के अध्यक्ष श्री यादव, उपाध्यक्ष जितेंद्र नीम, सचिव कपिल, सहसचिव विजय व्यास, पुरुषोत्तम सोमानी, उमंग मीठा एवं नेहा रुहेला सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता शिविर में शामिल हुए। शिविर में 70 से अधिक अधिवक्ताओं के दंत परीक्षण, 45 अधिवक्ताओं की नेत्र जांच तथा 145 अधिवक्ताओं के रक्त परीक्षण किए गए। इसके अतिरिक्त लगभग 200 अधिवक्ताओं ने स्वास्थ्य परामर्श प्राप्त कर निःशुल्क दवाइयों का लाभ भी लिया। वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद कुमार द्विवेदी के विशेष प्रयासों से आयोजित इस शिविर की सभी ने सराहना की। उल्लेखनीय है कि श्री द्विवेदी द्वारा पूर्व में होली के अवसर पर हाई कोर्ट में भी इसी प्रकार का स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया था। साथ ही सीएचएल केयर ट्रस्ट के सहयोग से दोनों न्यायालयों में स्वास्थ्य शिविर लगाए जा चुके।

महिला सशक्तिकरण की मिसाल जिले की 91 महिलाओं का भव्य सम्मान समारोह आयोजित

दिलीप पाटीदार

धार रेडक्रास सोसाइटी के माध्यम से महिला दिवस के उपलक्ष्य में पीजी कॉलेज धार के सभागृह में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जिले की 91 महिलाओं को सम्मानित किया गया। इसी के साथ ही स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया । जिसमें सभी ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया।

इस अवसर पर विधायक श्रीमती नीना वर्मा एवं कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा द्वारा महिलाओं को प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान चिह्न प्रदान कर उनके उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की गई।सम्मानित महिलाओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास तथा नगर पालिका के स्वच्छता कार्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। कार्यक्रम के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने तथा समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानित करने का सशक्त संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के नोडल अधिकारी श्री प्रवीण शर्मा द्वारा किया गया, जबकि आभार प्रदर्शन एसडीएम श्री राहुल गुप्ता ने किया।इस अवसर पर डॉ. रमाकांत मुकुट, अनुविभागीय अधिकारी श्री राहुल गुप्ता, पंडित छोटू शास्त्री, श्री विशाल निगम, श्री दीपक बिड़कर सहित प्रशासनिक अधिकारी, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सरदारपुर थाना परिसर में सामुदायिक प्रशिक्षण का आयोजन, फायर सेफ्टी, प्राथमिक उपचार व नशा मुक्ति पर दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

दिलीप पाटीदार

सरदारपुर। क्षेत्र में जन-जागरूकता बढ़ाने और आपात स्थितियों में लोगों को सक्षम बनाने के उद्देश्य से सरदारपुर थाना परिसर में एक दिवसीय सामुदायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस प्रशिक्षण में सरदारपुर एसडीओपी विश्वदीपसिंह परिहार सरदारपुर थाना प्रभारी अनिल कुमार जाधव राजगढ़ थाना प्रभारी समीर पाटीदार, रिंगनोद चौकी प्रभारी, गुलाब सिंह भयडीया, सरदारपुर सिविल अस्पताल के डॉ दिपक सोलंकी, स्थानीय नागरिकों, युवाओं, पत्रकार तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को आग लगने जैसी आकस्मिक घटनाओं से निपटने, दुर्घटना के समय प्राथमिक उपचार प्रदान करने तथा नशे के दुष्प्रभावों तथा महीला सुरक्षा के प्रति जागरूक करना रहा। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने फायर सेफ्टी से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ डॉ दिपक सोलंकी ने प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) के सत्र में चोट, जलने, बेहोशी, रक्तस्राव जैसी आपात स्थितियों में तुरंत किए जाने वाले उपायों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि दुर्घटना के शुरुआती क्षणों में सही प्राथमिक उपचार देने से कई बार व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। प्रतिभागियों को सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) सहित अन्य जरूरी तकनीकों की जानकारी दी गई रिंगनोद चौकी प्रभारी गुलाब सिंह भयडीया ने महीला सुरक्षा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी तथा राजगढ़ थाना प्रभारी समीर पाटीदार ने रोड़ सुरक्षा के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण भाग नशा मुक्ति जागरूकता पर केंद्रित रहा। इस दौरान सरदारपुर एसडीओपी विश्वदीपसिंह परिहार ने नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, नशा छोड़ने के इच्छुक लोगों के लिए उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी भी साझा की गई।

थाना प्रभारी अनिल कुमार जाधव ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को सुरक्षित और जागरूक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समय-समय पर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे लाभान्वित हो सकें।

सरदारपुर थाना परिसर में सामुदायिक प्रशिक्षण का आयोजन, फायर सेफ्टी, प्राथमिक उपचार व नशा मुक्ति पर दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

दिलीप पाटीदार

सरदारपुर। क्षेत्र में जन-जागरूकता बढ़ाने और आपात स्थितियों में लोगों को सक्षम बनाने के उद्देश्य से सरदारपुर थाना परिसर में एक दिवसीय सामुदायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में सरदारपुर एसडीओपी विश्वदीपसिंह परिहार सरदारपुर थाना प्रभारी अनिल कुमार जाधव राजगढ़ थाना प्रभारी समीर पाटीदार, रिंगनोद चौकी प्रभारी, गुलाब सिंह भयडीया, सरदारपुर सिविल अस्पताल के डॉ दिपक सोलंकी, स्थानीय नागरिकों, युवाओं, पत्रकार तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को आग लगने जैसी आकस्मिक घटनाओं से निपटने, दुर्घटना के समय प्राथमिक उपचार प्रदान करने तथा नशे के दुष्प्रभावों तथा महीला सुरक्षा के प्रति जागरूक करना रहा। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने फायर सेफ्टी से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी।

इसके साथ डॉ दिपक सोलंकी ने प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) के सत्र में चोट, जलने, बेहोशी, रक्तस्राव जैसी आपात स्थितियों में तुरंत किए जाने वाले उपायों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि दुर्घटना के शुरुआती क्षणों में सही प्राथमिक उपचार देने से कई बार व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। प्रतिभागियों को सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) सहित अन्य जरूरी तकनीकों की जानकारी दी गई रिंगनोद चौकी प्रभारी गुलाब सिंह भयडीया ने महीला सुरक्षा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी तथा राजगढ़ थाना प्रभारी समीर पाटीदार ने रोड़ सुरक्षा के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण भाग नशा मुक्ति जागरूकता पर केंद्रित रहा। इस दौरान सरदारपुर एसडीओपी विश्वदीपसिंह परिहार ने नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, नशा छोड़ने के इच्छुक लोगों के लिए उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी भी साझा की गई।

थाना प्रभारी अनिल कुमार जाधव ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को सुरक्षित और जागरूक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समय-समय पर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे लाभान्वित हो सकें।

अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस सलाहकार समिति की बैठक नईदिल्ली में सम्पन्न

झाबुआ विगत दिवस इंदिरा भवन कांग्रेस मुख्यालय में 18 मार्च को अखिल भारतीय आदिवासी सलाहकार समिति की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया जिसमें देश भर में आदिवासी समाज पर हो रहे अत्याचार एवं उनके मुद्दों को मुख्य रूप से चर्चा की गई । इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में राहुल गांधी प्रतिपक्ष नेता लोकसभा उपस्थित रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष एवं झाबुआ विधायक डॉ विक्रांत भूरिया द्वारा की गई।

कार्यक्रम की प्रारंभ में डॉ भूरिया द्वारा बताया गया कि उक्त सलाहकार समिति ने बैठक के पूर्व पूरे देश से आये वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने आपस में चर्चा की एवं कांग्रेस का कैसे मजबुत किया जावे साथ ही आदिवासी समाज को कैसे जीवनस्तर में सुधार लाया जावे । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ विक्रांत भूरिया ने बताया कि अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस को पूरे देश में मजबूत करने के लिए निरन्तर प्रयास किये जा रहे है पूरे देश में राहुल गांधी के निर्देश पर ही आदिवासी सलाहकार समिति का गठन किया गया है तथा आदिवासी समाज की आवाज को सडक से लेकर सदन तकप्रभावी रूप से उठाया जाएगा। डॉ भूरिया ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे आदिवासी भाई बहन हिदुस्तान के असली मालिक है जल जंगल जमीन पर उनका सबसे पहला अधिकार है मोदी सरकार लाख कोशिश कर ले हम उनका ये अधिकार कभी छिनने नहीं देगें आदिवासी हितों की रक्षा करते रहेगें।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राहुल गांधी ने अपने संबोधन में देश में आदिवासियों के साथ हो रहे अन्याय उनके जल जंगल और जमीन से जुडे मुद्दों पर गंभीर चिन्ता व्यक्त की उन्होने कहा कि देश का शत प्रतिशित हिस्सा आदिवासीयों को हुआ करता था धीरे धीरे आदिवासीयों के हाथों में जाता रहा भाजपा सरकार द्वारा आदिवासी अधिकार को कमजोर करने के प्रयासों का विरोध करते हुए सभी नेताओं से इन मुद्दों पर मजबूती से संघर्ष करने का आव्हान किया उन्होने आश्वस्त किया कि हर संघर्ष कांग्रेस पार्टी और स्वयं आदिवासी समाज के साथ मजबुती से खडे रहेगें।कार्यक्रम के प्रारंभ में राहुल गांधी द्वारा टंटिया मामा के चित्र पर माल्यापर्ण किया इस अवसर पर डां भूरिया ने राहुल गांधी का स्वागत किया । उक्त बैठक में पूर्व केन्द्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया एवं म.प्र. के प्रतिपक्ष नेता उमंग सिंगार,प्रदेश अध्यक्ष आदिवासी कांग्रेस के रामू टेकाम ओकारसिंह मरकाम,बाला बच्चन, राधेश्याम मुवेल सहित पूरे देश से आये आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष एवं अन्य आदिवासी नेतागण एवं पदाधिकारी उपस्थि थे। इस अवसर पर आदिवासी चित्रों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसका अवलोकन राहुल गांधी द्वारा किया गया ।

इंदौर में गुड़ी पड़वा पर 'जल गंगा संवर्धन अभियान' तीसरे चरण का शुभारंभ, 139 दिनों तक चलेगा जल संरक्षण महाअभियान

2500 करोड़ से संवरेंगे प्रदेश के जल स्रोत, मुख्यमंत्री ने किया जन-आंदोलन बनाने का आह्वान

इंदौर। हिंदू नूतन वर्ष चैत्र नवरात्र की घट स्थापना पर ही प्रदेश के मुख्यमंत्री ने जल गंगा संवर्धन का भव्य शुभारंभ किया। इंदौर के निपानियां में हुआ यह विशेष अभियान अगले 139 दिनों तक यानी गंगा दशमी तक चलेगा। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस्कॉन मंदिर में दर्शन किए, गौ-पूजन किया और निपानिया तालाब में जल अर्पित कर प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जल ही जीवन का असली अमृत है और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जल स्रोतों को बचाना सबसे जरूरी है। उन्होंने पूरे प्रदेश में इस अभियान के तहत लगभग 2500 करोड़ रुपये के कार्यों की घोषणा की, जिसमें नदियों, तालाबों, कुओं और पुरानी बावड़ियों का जीर्णोद्धार किया जाएगा।

इंदौर के लिए विशेष सौगात देते हुए उन्होंने अमृत 2.0 योजना के तहत शहर के चार प्रमुख तालाबों–छोटा सिरपुर, निपानिया, लिंबोदी और बिलावली के विकास और सौंदर्यीकरण कार्य की नींव भी रखी, जिस पर करीब 21 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च होंगे।

18 विभाग मिलकर चलाएंगे अभियान – 'जल गंगा संवर्धन अभियान' में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन एवं आवास, वन, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्यानिकी, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म लघु मध्यम उद्यम, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, राजस्व, संस्कृति, जन अभियान परिषद और जनसंपर्क विभाग शामिल हैं। मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी और महापौर पुष्यमित्र भार्गव भी मौजूद रहे। सभी जनप्रतिनिधियों ने इस बात पर जोर दिया कि जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि एक जन-आंदोलन होना चाहिए। इस अभियान का मुख्य लक्ष्य प्रदेश की 250 से अधिक नदियों और स्थानीय जल निकायों को पुनर्जीवित करना है ताकि पर्यावरण का संतुलन बना रहे और शहर के प्राकृतिक जल स्रोत फिर से जीवित हो सकें।

प्रशिक्षण शिविर के समापन पर 'फिल्मी तड़का': बीजेपी नेताओं का डांस वीडियो वायरल

इंदौर। इंदौर में भारतीय जनता पार्टी के प्रशिक्षण शिविर के समापन के बाद एक अलग ही नजारा देखने को मिला, जब पार्टी के कई नेता फिल्मी गानों पर थिरकते नजर आए। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान बीजेपी विधायक गोलू शुक्ला और एमआईसी सदस्य मनीष शर्मा ने मंच पर फिल्मी गीतों पर डांस किया। इस दौरान वहां मौजूद कार्यकर्ताओं ने भी तालियों और उत्साह के साथ उनका साथ दिया। खास बात यह रही कि इस कार्यक्रम का वीडियो स्वयं एमआईसी सदस्य मनीष शर्मा ने अपने सोशल मीडिया ग्रुप में साझा किया, जिसके बाद यह वीडियो तेजी से वायरल हो गया। वीडियो में बीजेपी के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा भी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद दिखाई दे रहे हैं।

वायरल वीडियो को लेकर जब प्रतिक्रिया ली गई तो बीजेपी शहर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने स्पष्ट किया कि यह डांस किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि प्रशिक्षण शिविर के समापन पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य कार्यकर्ताओं में ऊर्जा और आपसी समन्वय बढ़ाना होता है। हालांकि, इस वीडियो के सामने आने के बाद विपक्ष को भी बीजेपी पर तंज कसने का मौका मिल गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह के वीडियो आम जनता के बीच नेताओं की अलग छवि पेश करते हैं, जिससे सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आती हैं।

वायनाड की 'कीमती जमीन' पर सियासत तेज, 700 करोड़ में बिक्री बनाम 6000 करोड़ विकास मॉडल पर बहस

कांग्रेस नेता राकेश सिंह यादव ने सरकार के प्रस्तावित विक्रय निर्णय पर उठाए सवाल, पुनर्विचार की मांग

इंदौर। केरल के वायनाड स्थित बानाची एस्टेट की बहुमूल्य जमीन को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। मध्यप्रदेश की इस महत्वपूर्ण संपत्ति के संभावित विक्रय को लेकर कांग्रेस ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। कांग्रेस के पूर्व महासचिव राकेश सिंह यादव ने इंदौर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार के प्रस्तावित निर्णय पर सवाल उठाते हुए इसे प्रदेश के आर्थिक हितों के खिलाफ बताया।

राकेश सिंह यादव ने कहा कि करीब 577 एकड़ में फैली यह जमीन केवल एक संपत्ति नहीं, बल्कि प्रदेश के लिए दीर्घकालीन आय और रोजगार का बड़ा स्रोत बन सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस जमीन को लगभग 700 करोड़ रुपये में बेचने की तैयारी कर रही है, जबकि यदि इस पर सुनियोजित विकास मॉडल लागू किया जाए तो यह करीब 6000 करोड़ रुपये तक का आर्थिक लाभ दे सकती है। उन्होंने कहा कि इतनी महत्वपूर्ण संपत्ति को गाइडलाइन दर पर बेच देना दूरदर्शिता के विपरीत होगा और इससे प्रदेश को भविष्य में बड़े आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। राकेश यादव ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि इस जमीन के विक्रय के बजाय दीर्घकालीन विकास योजना तैयार की जाए, जिससे रोजगार के अवसर भी बढ़ें और प्रदेश को स्थायी आय का स्रोत मिले। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यादव ने आंकड़ों के जरिए सरकार के प्रस्ताव पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इस फैसले पर पुनर्विचार जरूरी है, ताकि प्रदेश के हितों की रक्षा की जा सके।

इंदौर में चैत्र नवरात्रि की धूमः मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब, घर-घर घट स्थापना

इंदौर। गुरुवार से चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ होते ही शहर पूरी तरह भक्तिमय माहौल में रंग गया। नौ दिनों तक चलने वाले इस पावन पर्व के पहले दिन सुबह से ही श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुंचकर माता के दर्शन किए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। शहर के प्रमुख मंदिरों में तड़के से ही लंबी कतारें लग गईं और 'जय माता दी' के जयकारों से माहौल गूंज उठा। शहर के प्रसिद्ध बिजासन टेकरी शक्तिपीठ पर अलसुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। दूर-दराज से आए श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंचे। वहीं अन्नपूर्णा मंदिर में भी बड़ी संख्या में भक्तों ने दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसके अलावा हरसिद्धि माता मंदिर, कालका माता मंदिर खजराना, जवाहर मार्ग माता मंदिर और दत्त नगर माता मंदिर सहित शहर के अन्य देवी मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। राजवाड़ा, उषा नगर और खजराना क्षेत्र के लक्ष्मी मंदिरों में भी दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। नवरात्रि के पहले दिन घरों, कार्यालयों और उद्योगों में विधि-विधान से घट स्थापना की गई और ज्वारे बोए गए। श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर माँ दुर्गा की आराधना शुरू की और कई स्थानों पर दुर्गा सप्तशती का पाठ भी किया गया। इंदौर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवास की टेकरी पर स्थित माता मंदिरों के दर्शन के लिए रवाना हुए, वहीं कुछ भक्त उज्जैन भी पहुंचे। नवरात्रि के दौरान अपनी आस्था के अनुसार श्रद्धालु मंदिरों में दर्शन कर चुनरी अर्पित करेंगे और नौ दिनों तक व्रत-पूजन करेंगे।

गौतम गंभीर की पहचान का हो रहा गलत इस्तेमाल

हाई कोर्ट पहुंचे भारतीय कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के आईसीसी व्हाइट-बॉल वर्ल्ड कप चैंपियन, अर्जुन अवॉर्ड विजेता, पद्म श्री से सम्मानित पूर्व सांसद और भारतीय पुरुष राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने दिल्ली हाई कोर्ट (सीएस सीओएमएम आफ 2026) में एक सिविल केस दायर किया है। इसमें उन्होंने डिजिटल रूप से किसी और की पहचान अपनाने, एआई से बने डीपफेक और बिना इजाजत के कमर्शियल इस्तेमाल के एक सुनियोजित अभियान के खिलाफ अपने व्यक्तित्व और पब्लिसिटी अधिकारों की पूरी सुरक्षा की मांग की है।

एक प्रेस रिलीज के मुताबिक 2025 के आखिर से गंभीर की लीगल टीम ने इंस्ट्राग्राम एक्स और फेसबुक पर मनगढ़ंत डिजिटल कंटेंट में अचानक और चिंताजनक बढ़ोतरी देखी। कई अकाउंट्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फेस-स्वैपिंग और वॉइस-क्लोनिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके ऐसे असली जैसे वीडियो बनाए जिनमें गलत तरीके से दिखाया गया कि गंभीर ऐसे बयान दे रहे हैं जो उन्होंने कभी नहीं दिए। इनमें एक फर्जी इस्तीफे का ऐलान भी शामिल है जिसे 29 लाख से ज्यादा बार देखा गया और एक मनगढ़ंत क्लिप जिसमें उन्हें सीनियर क्रिकेटरों के वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के बारे में टिप्पणी करते हुए दिखाया गया था, जिसे 17 लाख से ज़्यादा बार देखा गया।

सोशल मीडिया के अलावा बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म भी बिना किसी इजाजत के उनके नाम और तस्वीर वाले पोस्टर और सामान बेचने में मदद कर रहे थे। यह केस 16 प्रतिवादियों के खिलाफ दायर किया गया है। 2.5 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग की गई है, साथ ही हिसाब-किताब पेश करने, स्थायी रोक लगाने और सभी उल्लंघनकारी सामग्री को हटाने की भी प्रार्थना की गई है। गौतम गंभीर ने कहा, मेरी पहचान, मेरा नाम, मेरा चेहरा, मेरी आवाज को कुछ गुमनाम खातों द्वारा गलत जानकारी फैलाने और मेरे नाम पर पैसे कमाने के लिए एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया गया है। यह सिर्फ निजी ठेस का मामला नहीं है; यह कानून, गरिमा और उस सुरक्षा का मामला है, जिसका हर सार्वजनिक हस्ती आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस दौर में हकदार है।

इस मुकदमे में सभी प्रतिवादियों पर स्थायी रोक लगाने की मांग की गई है, ताकि वे गंभीर के नाम, छवि, आवाज या व्यक्तित्व का एआई डीपफेक तकनीक, मॉर्फिंग और फेस-स्वैपिंग सहित किसी भी माध्यम से उनकी स्पष्ट लिखित सहमति के बिना उपयोग, पुनरुत्पादन या दुरुपयोग न कर सकें। इसके साथ ही सीपीसी के आदेश एक्सएक्सएक्सआईएक्स नियम 1 और 2 के तहत एकपक्षीय अंतरिम रोक के लिए एक तत्काल आवेदन भी दायर किया गया है जिसमें सभी उल्लंघनकारी सामग्री को तुरंत हटाने और अंतिम सुनवाई होने तक उसके आगे प्रसार पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है।

अहमदाबाद में खुलने जा रही तेंदुलकर की वर्ल्ड-क्लास स्पोर्ट्स एकेडमी

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में जमीनी स्तर के खेलों के विकास में एक बड़ा बदलाव आने वाला है। सचिन तेंडुलकर द्वारा समर्थित एसआरटी 0 अल्टेवोल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी शुरू होने जा रही है जो एक हाई-परफॉरमेंस ट्रेनिंग सेंटर है। 10 अप्रैल से शुरू होने वाली इस एकेडमी का लक्ष्य 5 साल और उससे अधिक उम्र के उभरते खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय क्रिकेट ट्रेनिंग उपलब्ध कराना है। हालांकि इसके लॉन्च की योजना पिछले साल ही बना ली गई थी, लेकिन अब यह एकेडमी तकनीक, फिटनेस और भविष्य की तैयारी पर केंद्रित ट्रेनिंग मॉड्यूल के साथ अपना कामकाज शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

यह विशाल 40,000 स्क्वायर यार्ड का स्पोर्ट्स कैंपस खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए एक संपूर्ण इकोसिस्टम के रूप में तैयार किया गया है। यहां व्यवस्थित कोचिंग प्रोग्राम के साथ-साथ विश्व स्तरीय बुनियादी सुविधाएं मौजूद हैं, जिनमें प्रोफेशनल क्रिकेट नेट्स, मैच के लिए तैयार अपना निजी मैदान, हाई-परफॉरमेंस जिम और एक रनिंग ट्रैक शामिल है-ये ऐसी सुविधाएं हैं जो आमतौर पर केवल एलीट ट्रेनिंग सेंटर्स में ही देखने को मिलती हैं। अहमदाबाद में इसकी शुरुआत एसआरटी 10 के उस मजबूत आधार पर टिकी है, जिसकी पहचान नवी मुंबई के डी.वाई. पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में बनी इसकी मुख्य एसआरटी10 ग्लोबल एकेडमी से है।

यह सेंटर पहले से ही खेल ट्रेनिंग के लिए एक बेहतरीन जगह बन चुका है। यहाँ इंटरनेशनल लेवल की सुविधाओं और एक खास ट्रेनिंग कोर्स का मेल है, जिसका मकसद न केवल अच्छे खिलाड़ी तैयार करना है, बल्कि बच्चों का हर तरह से विकास करना भी है। यह विस्तार एसआरटी10 की उस बड़ी योजना का हिस्सा है, जिसके तहत प्रोफेशनल स्पोर्ट्स ट्रेनिंग को बड़े महानगरों से बाहर ले जाया जा रहा है। इसका मकसद भारत को खेलों की दुनिया में एक मजबूत देश बनाना है। यह नया सेंटर न केवल अहमदाबाद के युवाओं को, बल्कि आस-पास के इलाकों के उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी आकर्षित करेगा जो अच्छी और व्यवस्थित ट्रेनिंग की तलाश में हैं।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य बेहतरीन ट्रेनिंग सिस्टम के ज़रिए युवा प्रतिभाओं को निखारना और उन्हें आगे बढ़ने के मौके देना है। एकेडमी का ट्रेनिंग प्रोग्राम सिर्फ खेल की तकनीक पर ही नहीं, बल्कि अनुशासन, मैच की समझ, फिटनेस और मानसिक मज़बूती पर भी ध्यान देता है। टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी और फर्स्ट-क्लास क्रिकेटर्स इन युवा खिलाड़ियों को रास्ता दिखाएंगे। यहाँ के कोचों को खास तौर पर एसआरटी10 के तरीके से ट्रेनिंग दी गई है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर की कोचिंग दे सकें। इस पूरे प्रोग्राम की कमान डॉ. अतुल गायकवाड़ (ग्लोबल हेड कोच, एसआरटी10) के हाथों में है, जिन्हें क्रिकेट की हाई-परफॉरमेंस ट्रेनिंग का गहरा अनुभव है। इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए डॉ. गायकवाड़ ने कहा, 'सचिन सर के सफर से प्रेरित होकर, हम यहां सिर्फ एक कोचिंग सेंटर नहीं, बल्कि एक गंभीर ट्रेनिंग का माहौल तैयार कर रहे हैं। हमारा पूरा ध्यान इस बात पर है कि बच्चे शुरुआत से ही बुनियादी चीज़ों को सही से सीखें, उन्हें मैच की असली स्थितियों का अनुभव मिले और वे खेल को सिर्फ खेलें नहीं, बल्कि उसकी बारीकियों को समझें। समय के साथ, यही व्यवस्थित और निरंतर ट्रेनिंग ही एक साधारण खिलाड़ी और एक मंझे हुए खिलाड़ी के बीच का अंतर तय करती है। हमारा लक्ष्य अहमदाबाद के युवा खिलाड़ियों को पहले दिन से ही वह बढ़त दिलाना है।

मेसी ने 900 गोल का आंकड़ा छुआ

रोनाल्डो के क्लब में शामिल, 1142 मैच में हासिल की उपलब्धि, इंटर मियामी कॉन्काकैफ कप से बाहर

अर्जेंटीना (एजेंसी)। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर और इंटर मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी आधिकारिक मैचों में 900 गोल करने वाले दुनिया के दूसरे पुरुष फुटबॉलर बन गए हैं। उन्होंने यह मुकाम नैशविले एससी के खिलाफ कॉन्काकैफ चैंपियंस कप के दूसरे लेग में हासिल किया। हालांकि, मेसी के इस गोल के बावजूद इंटर मियामी का सफर टूर्नामेंट में आगे नहीं बढ़ सका। मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा, जिसमें नैशविले के लिए क्रिस्टियन एस्पिनोजा ने गोल किया। पहला लेग नैशविले के घरेलू मैदान पर खेला गया था, जो 0-0 से ड्रॉ रहा। इसके बाद दूसरा लेग इंटर मियामी के होम ग्राउंड पर खेला गया, जहां दोनों टीमों ने एक-एक गोल किया और मैच 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ। दोनों लेग के बाद कुल स्कोर बराबर रहने पर 'अवे गोल' नियम लागू किया गया। इस नियम के तहत जो टीम विपक्षी मैदान पर अधिक गोल करती है, उसे बढ़त मिलती है। इसी आधार पर नैशविले एससी अगले दौर में पहुंच गया, जबकि इंटर मियामी टूर्नामेंट से बाहर हो गई।इंटर मियामी के फॉरवर्ड लियोनेल मेसी ने अपने बाएं पैर से करियर का 900वां गोल दागा।

रोनाल्डो के नाम 965 गोल

मेसी अब क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ 900 गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि सितंबर 2024 में हासिल की थी और उनके नाम फिलहाल 965 गोल हैं। मेसी ने 1142 मैच में 900 गोल पूरे किए, जबकि रोनाल्डो ने 1236 मैच खेले थे। ब्राजील के दिग्गज पेले 765 गोल के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि मौजूदा खिलाड़ियों में रॉबर्ट लेवांडोव्स्की 690 गोल के साथ पीछे हैं।

कोच बोले- जिम्मेदारी मेरी

मैच के बाद इंटर मियामी के कोच जेवियर मस्केरानो ने हार की जिम्मेदारी खुद ली। उन्होंने कहा, यह निराशाजनक रात है। हमने बढ़त बनाई थी और पहले हाफ में कई मौके भी बनाए, लेकिन हम उन्हें गोल में नहीं बदल सके।

उन्होंने कहा कि टीम ने पूरी कोशिश की, लेकिन अंत में नतीजा उनके पक्ष में नहीं गया।वहीं, नशविल के कोच बीजे कैलाघन ने मेसी की तारीफ करते हुए कहा, '900 गोल, उन्हें बधाई। वह सबसे बेहतरीन हैं।'

- **बार्सिलोना के लिए किए सबसे ज्यादा गोल, 2012 रहा करियर का बेस्ट साल-** मेसी ने 16 अक्टूबर 2004 को बार्सिलोना के लिए अपना प्रोफेशनल डेब्यू किया था और क्लब के लिए 672 गोल किए। इसके बाद उन्होंने पेरिस सेंट जर्मेन के लिए 32 और इंटर मियामी के लिए 81 गोल किए हैं।
- **अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने अर्जेंटीना के लिए 115 गोल किए हैं-** मेसी के करियर का सबसे शानदार साल 2012 रहा था। उस एक कैलेंडर ईयर में उन्होंने क्लब और देश के लिए कुल 91 गोल दागे थे, जो आज भी एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। हाल के प्रदर्शन की बात करें तो मेसी ने 2025 एमएलएस सीजन में 29 गोल कर गोल्डन बूट जीता और लगातार दूसरी बार एमवीपी अवॉर्ड भी हासिल किया।

हेल्दी स्नैकिंग के नाम पर बढ़ रहा वजन, छोटी-छोटी गलतियां बिगाड़ रही आपकी डाइट प्लानिंग

नई दिल्ली। वजन कम करने के लिए लोग डाइटिंग के साथ हेल्दी स्नैकिंग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाते हैं, लेकिन कई बार यही आदत वजन घटाने की राह में सबसे बड़ी बाधा बन जाती है। अक्सर लोग समोसे और बिस्कुट जैसी चीजों की जगह नट्स, पीनट बटर, डार्क चॉकलेट और स्मूदी जैसे विकल्प चुनते हैं, लेकिन इसके बावजूद वजन कम नहीं होता। इसके पीछे वजह यह है कि ये सभी चीजें भले ही पोषक हों, लेकिन इनमें कैलोरी की मात्रा काफी अधिक होती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, हेल्दी स्नैकिंग का सबसे बड़ा नियम है 'पोर्शन कंट्रोल', जिसे लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। बादाम, अखरोट या काजू जैसे ड्राई फ्रूट्स शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं, लेकिन अगर इन्हें जरूरत से ज्यादा खाया जाए, तो ये कैलोरी इंटेक को तेजी से बढ़ा देते हैं। कई लोग दिनभर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में बार-बार स्नैक्स लेते रहते हैं, जिससे कुल कैलोरी का स्तर जरूरत से कहीं ज्यादा हो जाता है।इसके अलावा बाजार में मिलने वाले लो-फैट और शुगर-फ्री प्रोडक्ट्स भी अक्सर लोगों को भ्रमित करते हैं। 'लो-फैट' लिखे होने का मतलब यह नहीं कि वह पूरी तरह हेल्दी है। कई कंपनियां स्वाद बनाए रखने के लिए इनमें अतिरिक्त शुगर या आर्टिफिशियल स्वीटनर्स मिला देती हैं, जो शरीर में इंसुलिन के स्तर को बढ़ाकर फैट स्टोरेज को बढ़ावा दे सकते हैं।

लिक्विड कैलोरीज भी वजन बढ़ने का एक बड़ा कारण बनती हैं। फलों का जूस, स्मूदी या नारियल पानी हेल्दी जरूर माने जाते हैं, लेकिन जूस बनाने की प्रक्रिया में फाइबर कम हो जाता है, जिससे शरीर में शुगर तेजी से अवशोषित होती है। इससे भूख जल्दी लगती है और कैलोरी इनटेक बढ़ जाता है। एक और आम गलती है 'माइंडलेस ईटिंग', यानी बिना ध्यान दिए खाना। जब लोग टीवी देखते हुए या काम करते हुए स्नैक्स खाते हैं, तो उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं होता।

न्याय में अड़चनः उपभोक्ता अदालतों में 40% पद खाली, पांच लाख केस लंबित

तीन साल से लटकी हैं एक तिहाई शिकायतें

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत न्याय रिपोर्ट (आईजेआर) की उपभोक्ता न्याय रिपोर्ट चौंकाने वाली है। देश में 2021 से 2025 तक उपभोक्ता अदालतों में 5 लाख से अधिक मामलों का बैकलॉग और भारी संख्या में रिक्त पद उपभोक्ता निवारण प्रणाली को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहे हैं। यह उपभोक्ता अदालतों के कामकाज के आकलन पर आधारित अपनी तरह की पहली रिपोर्ट है। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोगों (एससीडीआरसी) में अध्यक्षों और सदस्यों के आधे से अधिक पद खाली पड़े हैं। 2020 और 2024 के बीच, लंबित मामलों की संख्या 21 प्रतिशत बढ़कर 87,545 से 5.15 लाख हो गई। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत मामलों को 3-5 महीने की समयसीमा के अंदर सुलझाने का प्रावधान है, लेकिन रिपोर्ट में पाया गया कि एक-तिहाई से अधिक मामले तीन साल से भी अधिक समय तक अनसुलझे रहे, जो निर्धारित समय-सीमा से कहीं ज्यादा है। केरल, जम्मू-कश्मीर और झारखंड में 70 से 80 फीसदी मामले तीन साल से अधिक समय से लंबित हैं।

रिपोर्ट जारी करते हुए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस एसके कौल ने खाली पदों के भारी संकट और लंबित मामलों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई और कहा कि ये उपभोक्ता निवारण तंत्र में उपभोक्ताओं के भरोसे को कम कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उपभोक्ता मुख्य रूप से सेवाओं में कमी को लेकर परेशान और असंतुष्ट हैं, विशेष रूप से बीमा, आवास और बैंकिंग क्षेत्रों में।

सूचना के अधिकार और संसदीय जवाबों के जरिये मिले सार्वजनिक डाटा पर आधारित इस रिपोर्ट में पाया गया कि 2025 तक, लगभग आधे राज्य आयोगों और एक-तिहाई जिला आयोगों में कोई मौजूदा अध्यक्ष नहीं था, जबकि 159 स्वीकृत सदस्य पदों में से लगभग 40 प्रतिशत पद खाली थे।

सात राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोगों (एससीडीआरसी) मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में सदस्यों के पदों पर 60 फीसदी से अधिक रिक्तियां थीं। इसमें कहा गया कि अरुणाचल प्रदेश, तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश के एससीडीआरसी में कोई भी सदस्य दर्ज नहीं किया गया था।

रिपोर्ट के अनुसार, 20 एससीडीआरसी के उपलब्ध कराए गए आंकड़ों में से, केवल 10 हरियाणा, केरल, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड और दिल्ली में ही पिछले पांच वर्षों के दौरान लगातार एक अध्यक्ष रहा। इसमें कहा गया है कि राज्य आयोगों में अध्यक्ष के खाली पदों को लेकर एक बढ़ता हुआ रुझान देखने को मिल रहा है। 2021 में जहां केवल दो एससीडीआरसी बिना अध्यक्ष के काम कर रहे थे, वहीं 2025 तक यह संख्या बढ़कर 10 हो गई।

मामले निपटाने में आंध्र प्रदेश अव्वलः रिपोर्ट में राज्यों को उनकी जनसंख्या के आधार पर वर्गीकृत किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उपभोक्ता मामलों के निपटारे में किस राज्य ने बेहतर प्रदर्शन किया, इसकी तुलना निष्पक्ष रूप से हो सके। 19 बड़े और मध्यम आकार के राज्यों में आंध्र प्रदेश ने पहला स्थान हासिल किया, इसके बाद मध्य प्रदेश राजस्थान रहे। आंध्र प्रदेश में केवल 4.8 प्रतिशत मामले ही तीन साल से अधिक समय से लंबित हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि छोटे राज्यों की श्रेणी में मेघालय शीर्ष स्थान पर रहा। इसके बाद सिक्किम और हिमाचल प्रदेश रहे। इसके विपरीत, तेलंगाना (बड़े राज्यों में 19वें स्थान पर) और मणिपुर (छोटे राज्यों में 9वें स्थान पर) जैसे राज्य क्षमता सूचकांक में सबसे नीचे हैं। बड़े राज्यों में, महाराष्ट्र में सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए, लेकिन उसका सीसीआर सबसे कम रहा, क्योंकि 32,382 मामलों में से 65 प्रतिशत मामले अभी भी लंबित हैं।

खाली सिलिंडर एजेंसी को करना था वापस

गैस एजेंसी को लौटाने की बजाय अवैध रूप से रखे 223 सिलिंडर, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। एलपीजी सिलिंडर के अवैध भंडारण को लेकर दक्षिणी पूर्वी जिले की कार्रवाई के एक दिन बाद दक्षिणी जिला पुलिस ने भी 223 सिलिंडर के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मामला मैदानगढ़ी थाना क्षेत्र स्थित राजपुर खुर्द गांव का है। आरोपित हितेश राठी और अरविंद कुमार ने एजेंसी को लौटाने की बजाय भारी मात्रा में एलपीजी सिलिंडर निजी गोदाम में छिपा रखे थे। गोदाम हितेश का है, जिसे अरविंद ने किराए पर ले रखा है। केस दर्ज कर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल के मुताबिक 17 मार्च को सूचना मिलने पर स्पेशल स्टाफ की एक टीम ने खसरा संख्या 28/2, जनरेटर वाली गली, गांव राजपुर खुर्द स्थित एक प्लाट पर छापा मारा। तलाशी में पुलिस टीम ने परिसर से कुल 223 इंडेन एलपीजी सिलिंडर बरामद किए। इनमें 16 भरे हुए घरेलू सिलेंडर थे। वहीं 45 खाली घरेलू और 162 खाली कामर्शियल सिलेंडर थे। निजी गोदाम से एक इलेक्ट्रानिक तौल मशीन और आठ सेफ्टी कैप भी जब्त किए। प्राथमिक जांच के दौरान सामने आया कि गोदाम पर बिना किसी वैध लाइसेंस के एलपीजी सिलिंडरों का अवैध भंडारण किया जा रहा था। इतनी बड़ी संख्या में सिलिंडरों का बिना सुरक्षा इंतजाम के रखा जाना घनी आबादी में आस-पास के लोगों के लिए गंभीर खतरा था। मौके से हिरासत में लिए गए आरोपितों हितेश राठी और अरविंद कुमार से सिलेंडर भरने और भंडारण के दस्तावेजों की मांग की। आरोपित कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

पुलिस के मुताबिक सिलिंडर क्षेत्र में आपूर्ति के लिए आए थे। खाली सिलिंडर और बचे हुए घरेलू एलपीजी सिलिंडर एजेंसी को वापस किया जाना था, पर आरोपितों ने अवैध बिक्री के लिए इसे अपने पास ही रखा, जो पूरी तरह से अवैध है। खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अधिकारियों और इंडेन गैस कंपनी के प्रतिनिधियों को मौके पर बुलाकर बरामद सिलिंडरों का सत्यापन कराया गया। वहीं मैदानगढ़ी थाने में बीएनएस की धारा 287, 288, 61(2) और आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा सात के तहत एफआइआर दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

दिल्ली-एनसीआर में अगले दो दिनों तक बदला रहेगा मौसम का मिजाज, बारिश और आंधी का अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में बुधवार शाम मौसम ने अचानक करवट ली। तेज धूल भरी आंधी के साथ गरज-चमक और मूसलाधार बारिश ने लोगों को तीखी गर्मी से राहत पहुंचाई, लेकिन शहर की रफ्तार पर ब्रेक लग गया। करीब 6 बजे शुरू हुई बूंदाबांदी लगभग 45 मिनट तक चली, जिस दौरान 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं और धूल उड़ने से ट्रैफिक प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता को इसका कारण बताया है। बुधवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बारिश और तेज हवाओं ने तापमान में अचानक गिरावट लाई, जिससे गर्मी से परेशान लोग राहत महसूस कर रहे हैं। गुरुवार और शुक्रवार के लिए मौसम विभाग ने 'येलो अलर्ट' जारी किया है। दोनों दिनों गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है, साथ ही 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में 4 से 6 डिग्री सेल्सियस की और गिरावट का अनुमान है। नोएडा सहित आसपास के इलाकों में भी येलो अलर्ट जारी है। बुधवार की आंधी-बारिश से सेक्टर 62, 18, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, सेक्टर-71 और 75 जैसे कई क्षेत्रों में करीब एक घंटे तक बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। तेज हवाओं से पेड़ों की टहनियां टूटने और केबल फाल्ट की वजह से बिजली विभाग की टीमें तुरंत सक्रिय हुईं। मौसम विभाग का कहना है कि एक सप्ताह तक अधिकतम तापमान में करीब तीन और न्यूनतम में दो डिग्री सेल्सियस की कमी बनी रह सकती है।

रेखा गुप्ता सरकार का दूसरा बजटः जनसंवाद से मिल रहे शिक्षा, खेल और सुरक्षा सुधार के सुझाव

नई दिल्ली, एजेंसी। रेखा गुप्ता सरकार 24 मार्च को विधानसभा में अपना दूसरा बजट पेश करेगी। इससे पहले मुख्यमंत्री जनसंवाद के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों से सुझाव ले रही हैं। उनका कहना है कि पिछली बार की तरह इस बार भी जनभागीदारी से बजट तैयार होगा, जिसमें सभी वर्गों की आवश्यकताओं का ध्यान रखा जाएगा।

इसी कड़ी में बुधवार को उन्होंने दिल्ली सचिवालय में 'संवाद कार्यक्रम' आयोजित किया, जिसमें शामिल लोगों ने शिक्षा और खेल सुविधाओं को बेहतर करने के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था में सुधार तथा नागरिक समस्याओं के समाधान के लिए बजट में प्रावधान करने की मांग की। संवाद कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद भी शामिल थे। मुख्यमंत्री और मंत्री से छात्रों ने मिड-डे मील योजना को कक्षा 12 तक बढ़ाने, स्कूलों में नियमित खेल प्रशिक्षण शुरू करने, पढ़ाई व खेल से जुड़ी सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा व्यवहारिक ज्ञान के लिए औद्योगिक इकाइयों के भ्रमण व प्रशिक्षण की व्यवस्था करने की मांग की। कॉलेज के छात्रों ने नए छात्रावास बनाने, करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित करने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पुस्तकालय में आवश्यक पुस्तकें उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई। शिक्षकों और महिलाओं ने स्कूलों व आवासीय क्षेत्रों में खेल मैदान बनाने, सुरक्षित सड़क पार करने के लिए फुटओवर ब्रिज (एफओबी) और अंडरपास बनाने तथा जलभराव जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान करने के उपाय करने की मांग की।

महिलाओं ने स्कूलों में क्रेच की सुविधा शुरू करने, महिला चालकों को बढ़ावा देने तथा कार्यस्थलों पर मासिक धर्म के दौरान विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराने के सुझाव दिए। शिक्षकों ने कौशल विकास के लिए एआइ प्रशिक्षण, स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर करने तथा शैक्षणिक भ्रमण आयोजित करने के प्रविधान करने का सुझाव दिया। खिलाड़ियों ने स्कूलों में खेल को अनिवार्य बनाने व आवश्यक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने, आवासीय खेल अकादमी स्थापित करने, खिलाड़ियों के लिए बेहतर प्रशिक्षण की व्यवस्था करने, स्टेडियम के शुल्क को तर्कसंगत बनाने, स्थायी कोच नियुक्त करने तथा महिला कोचों की संख्या बढ़ाने, खिलाड़ियों के लिए रिहैबिलिटेशन सेंटर बनाने, खेल संघों को आर्थिक सहायता देने तथा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण भत्ता देने की मांग की।

ईरान-अमेरिका युद्ध का 19वां दिनः मलबे में तब्दील तेहरान, पर सहयोगियों की बेरुखी से ट्रंप की बढ़ी मुश्किलें

ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच 19 वें दिन भी जारी है। अभी तक आंकड़ों और जमीनी हकीकत को अगर देखा जाए तो ये कहना गलत नहीं होगा कि युद्ध का पलड़ा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के पक्ष में झुकता हुआ नजर आ रहा है। ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत ईरान के सैन्य ढांचे को भारी चोट पहुंचाई गई है। इजराइल का दावा है कि उसने ईरान के उस सुरक्षा चक्र को तोड़ दिया है जो उसे देश और विदेश की सत्ता को टिकाए रखता था।

सैन्य सफलता बनाम जमीनी हकीकत

युद्ध के शुरुआती दौर में ही ईरान को अपूरणीय क्षति हुई है। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत शीर्ष नेतृत्व और कई बड़े सैन्य कमांडर मारे जा चुके हैं। ईरान के मिसाइल लॉन्चर और कमांड सेंटर मलबे में तब्दील हो चुके हैं। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि युद्ध केवल हथियारों की गिनती से नहीं, बल्कि सहनशक्ति और आर्थिक स्थिरता से जीते जाते हैं।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संकट के बादल

भले ही अमेरिका आसमान में ताकतवर दिख रहा हो, लेकिन जमीन पर इसके आर्थिक नतीजे डराने वाले हैं। युद्ध शुरू होने के बाद से कच्चे तेल के दाम लगभग 45% तक बढ़ गए हैं। दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापारिक रास्ता बंद होने की कगार पर है, जिससे 1970 के दशक के बाद का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट पैदा हो गया है।

ईरान की 'अदृश्य' रणनीति

विश्लेषकों के अनुसार, ईरान को यह युद्ध जीतने के लिए अमेरिका को हराने की जरूरत नहीं है। उसकी रणनीति तीन स्तंभों पर टिकी हैः भूगोल, समय और अनिश्चितता। ईरान का मकसद ट्रंप पर इतना दबाव बनाना है कि उनकी सैन्य सफलता एक अंतहीन और खर्चीले संघर्ष में बदल जाए।